सच्चा प्यार गुरुदेव का

गुरू चरणाँ विच सच्चा प्यार करना कोई-कोई जाने,
गुराँ दी सेवा ते सतकार करना कोई कोई जाने,
चाकर बन गुरू सेवा करना, गुरू घर दा नित पानी भरना,
पहुँच के सतगुराँ दे दरबार संवरना कोई-कोई जाने,
गुरू चरणाँ विच सच्चा प्यार करना.....

मन तो आपा भाव मिटाना, दुई द्वैत नूँ दिलों भुलाना,
लैंदे ने मन अपने नूँ मार मरना कोई-कोई जाने,
गुरू चरणाँ विच सच्चा प्यार करना.....

बुल्ले रूठड़ा पीर मनाया, चाकर कन्जराँ दा कहलाया,
पीर मुरशिद नूँ राजी यार करना कोई-कोई जाने,
गुरू चरणाँ विच सच्चा प्यार करना.....

धूनी लाके दर ते बैणा, हस हस जग दे ताने सेहना,
"प्रेम" कई डुबे विच मंझदार तरना कोई-कोई जाने,
गुरू चरणाँ विच सच्चा प्यार करना.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29752/title/sachha-pyar-gurudev-ka

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |